Paper-6
Dr. Khalid

Barack Obama के प्रशासन काल में अमेरिकी विदेश नीति

Barack Obama के प्रशासन काल का सातवाँ वर्ष चल रहा है और अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के विद्वानों तथा पर्यवेक्षकों ने सामान्य रूप से तथा अमेरिकी वैदेशिक नीति के विद्वानों एवं पर्यवेक्षकों ने विशेष रूप से इस अवधि में अमेरिकी विदेश नीति कैसी रही है इसके उद्देश्य क्या रहे हैं, इसकी प्रवृत्तियाँ कैसी रही हैं और वे कहाँ तक अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रही इन सब बातों का विश्लेषण शुरू कर दिया है।

यह उल्लेखनीय है कि शीत युद्ध के बाद के काल में अमेरिका की स्थिति एक-मात्र Superpower की रही है और वह अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में पहले से सक्रिय अधिक सक्रिय एवं प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए उत्सुक रहा है। Senior Bush, Bill Clinton, George W. Bush तथा Barack Obama ने शीत युद्ध के अन्त के बाद की परिस्थितियों में अमेरिकी वैदेशिक नीति की प्राथमिकताओं एवं दिशाओं को पुनः परिभाषित करने एवं निर्धारित करने का प्रयास किया है। जहाँ तक ~~Obama~~ Obama के प्रशासन काल में अमेरिकी वैदेशिक नीति की प्राथमिकताओं / लक्ष्यों का प्रश्न है, बुनियादी रूप से शीतयुद्ध के बाद के काल में समान रही है / रहे हैं, एक मात्र Superpower के रूप में USA की स्थिति को बनाए रखना और अन्तर्रा-ष्ट्रीय राजनीति में वर्चस्व की स्थिति

SHOT ON REDMI
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

को प्राप्त करना वर्तमान Obama प्रशासन
की वैदेशिक नीति का उसी तरह अघोषित
परंतु सर्वाधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा है जैसा
Bush Sr., Clinton, George W. Bush
के काल में था, परन्तु इस लक्ष्य की प्राप्ति
केलिए Obama के प्रशासन काल में वैदेशिक
नीति संचालन में निम्नित रूप से वैसी कठोरता
तथा आक्रमकता में कमी आयी है जैसी George
W. Bush के प्रशासन काल में पायी जाती थी।

Obama ने अपनी ~~चुनावी~~ चुनावी
भाषणों तथा राष्ट्रपति पद पर आने पर प्रारंभिक
State of Union भाषणों / संदेशों में वैदेशिक
नीति के संबंध में जो विचार व्यक्त किए
उनमें भी इस बात का ~~आभास~~ आभास / इशारा
मिलने लगा था कि यद्यपि Obama प्रशासन
काल की वैदेशिक नीति के लक्ष्य सामान्य तौर
पर अमेरिकी वैदेशिक नीति के लक्ष्य रहे हैं।
परमाणु ~~प्रसार~~ अप्रसार, उदारवादी जनतंत्र एवं मानवा-
धिकारों की रक्षा, आतंकवाद का विरोध,
अमेरिका के आर्थिक हित की रक्षा आदि
Obama प्रशासन की प्राथमिकताएँ है।
उन्होंने यह घोषणा भी की कि अमेरिका इराक
तथा अफगानिस्तान से अपनी सेनाओं की
वापसी करेगा तथा उनके प्रशासन काल में
अरब-इजरायल समस्या के समाधान केलिए
फिलिस्तीन नामक एक अलग स्वतंत्र राज्य की
स्थापना की जाएगी। विश्व के अन्य भागों
में अमेरिका की विश्वसनीयता विशेष रूप से
लैटिन अमेरिका के देशों में पुनः बहाल

SHOT ON REDMI 7
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

करना अमेरिकी वैदेशिक नीति का उद्देश्य रहा है।

उपर्युक्त बातों को ध्यान में रखते हुए Obama प्रशासन के काल में अमेरिकी वैदेशिक नीति के मुख्य तत्वों को चिन्हित किया जा सकता है —

1. ~~परमाणु~~ हथियारों के अप्रसार पर अंकुश :—

यों तो परमाणु अप्रसार की नीति 1945 से ही अमेरिकी वैदेशिक नीति का महत्वपूर्ण अंग रहा है- परन्तु ~~कि~~ शीत युद्ध के बाद के काल में परमाणु अप्रसार अमेरिकी वैदेशिक नीति की महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गया है। Obama प्रशासन ~~के~~ ने भी इसको अपनी वैदेशिक नीति के एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता का दर्जा दिया है। विशेष रूप से ईरान के आणविक कार्यक्रम के सम्बंध में जो चिन्ता USA ने व्यक्त की है तथा सैनिक उद्देश्यों केलिए उसके प्रयोग को रोकने केलिए जो प्रयास किए है वह इस बात का ~~प्रमाण है कि~~ प्रमाण है कि Obama प्रशासन परमाणु अप्रसार केलिए कितना उत्सुक है। Al-Qaieda जैसे आतंकवादी संगठन के हाथों में परमाणु शस्त्रों के पड़ने की सारी संभावनाओं को खत्म करना तथा परमाणु अप्रसार केलिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग एवं समर्थन की प्राप्ति आदि Obama प्रशासन की अप्रसार नीति के अंग रहे हैं।

2. उदारवादी जनतंत्र का प्रसार तथा मानवाधिकारों की रक्षा :— यों तो उदारवादी

जनतंत्र को बढ़ावा तथा मानवाधिकार की रक्षा अमेरिकी वैदेशिक नीति का एक तत्व रहा है, परंतु शीत युद्ध के बाद के काल में जैसा कि Blanton ने कहा है—

The United States has endorsed the promotion of liberal democracy as a Cornerstone of its foreign policy.

उदारवादी जनतंत्र को बढ़ावा देने के पीछे जर्मन दार्शनिक Emmanual Kant के इस विचार ने अमेरिकी वैदेशिक नीति के निर्धारकों को प्रेरित किया है—

Democracies are by nature peace-loving. Whereas autocracies and ~~die~~ dictatorships are notoriously prone to war.—

(जनतांत्रिक व्यवस्थाएँ स्वभावतः शांतिप्रिय होती है, जबकि स्वेच्छाचारी व्यवस्थाएँ युद्ध की मनोवृति से ग्रसित होती है।) Obama प्रशासन भी वैदेशिक नीति के संचालन में इस विचार का ध्यान रखता है। मिस्र, इराक तथा सीरिया में USA की नवीनतम नीति में जनतंत्र की दुहाई दी जा रही है।

③ आतंकवाद का विरोध :→

शीतयुद्ध के बाद के काल में और विशेष रूप से 2001 में New York तथा Washington पर आतंकवादी हमले के बाद अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद का अंत USA की वैदेशिक नीति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व बन गया है। Obama प्रशासन ने

SHREEJAN REDMI 7
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

Al-Qaeda, ISIS (Islamic State in Iraq and Syria), Boko Haram जैसे आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध कार्यवाही की है।

4. NATO की सुदृढ़ता तथा विस्तार :- शीत युद्ध के बाद के काल में पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों की भाँति ओबामा प्रशासन ने भी अन्तर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बनाए रखने में NATO की भूमिका एवं प्रासंगिकता पर बल दिया है। आतंकवाद के विरोध, परमाणु अप्रसार तथा अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अन्य गंभीर मसलों पर NATO के सदस्य देशों का समर्थन Obama प्रशासन को मिलता रहा है। यद्यपि रूस के चलते Ukraine, नैटो का सदस्य नहीं बन सका है, तथापि Obama प्रशासन इसके विस्तार का समर्थक रहा है।

5. आर्थिक हितों पर बल :- Obama प्रशासन की वैदेशिक नीति USA के आर्थिक एवं व्यापार हितों को सर्वाधिक महत्व देता है। सच पूछा जाए तो उदारवादी जनतंत्र के प्रसार की चिंता भी अन्य बातों के अतिरिक्त इसके आर्थिक हित से संबंधित है। जिस प्रकार के मुक्त व्यापार में उदारवादी जनतंत्र विश्वास करता है वह USA के हित के अनुकूल है। 2010 तथा 2015 में अपनी भारत यात्रा के समय जिस तरह Obama प्रशासन ने USA के आर्थिक हितों को पूरा करने में उत्सुकता दिखाई वह इस बात को दर्शाता है कि किस हद तक अमेरिकी वैदेशिक नीति आर्थिक हितों की पूर्ति से प्रेरित है।

पूरे तौर पर Obama प्रशासन की

SHOT ON REDMI
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

अबतक की अवधि में जिस प्रकार विदेश नीति का संचालन किया गया है उससे इस बात का आभास मिलता है कि George W. Bush के प्रशासन काल में विदेश नीति के संचालन में जो arrogance and aggressiveness (घृष्टता एवं आक्रमकता) पाई जाती थी, उसमें निश्चित रूप से कमी पायी जाती ~~थी~~ है। Israel, सऊदी अरब तथा USA में ही Republican Party के एक वर्ग के विरोध के बावजूद ईरान के आणविक कार्यक्रम के संबंध में सामंजस्य, समन्वय तथा समझौता का मार्ग अपनाया न कि बल प्रयोग का सहारा लिया जैसा कि Saudi Arab, Israel तथा US Republican Party के बहुत से सदस्य चाहते थे।

पश्चिमी एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका के प्रति Obama प्रशासन की नीति में एकरूपता की कमी रही है। वह अपने समर्थक देशों की राजनीतिक व्यवस्थाओं को बनाए रखना चाहता है। परन्तु साथ ही साथ इसकी तरफ वह जनता की इच्छा एवं आकांक्षा के नाम पर सीरिया जैसे देशों में सत्ता परिवर्तन का समर्थक है। Obama ने अपने वादे के अनुसार (अनुरूप) इराक तथा अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना को वापस बुलाया है। इसकी तरफ अफगान तथा इराकी सेना को प्रशिक्षण के नाम पर काफी संख्या में वहाँ अमेरिकी सेना मौजूद भी है। पश्चिमी एशिया में अरब-इजरायल संघर्ष के समाधान के लिए

फिलस्तीनियों के एक अलग स्वतंत्र राज्य का आश्वासन न तो पूरा हुआ है और न ही ~~Obama~~ Obama प्रशासन के बाकी काल में पूरा होने की कोई आशा है। इजरायल के प्रति Obama प्रशासन की नाराजगी तो स्पष्ट रूप से सामने आयी है परन्तु इजरायल पर वह ऐसा कोई दबाव नहीं डाल पाया है जिससे वह शांति प्रक्रिया को शुरू करने और फिलस्तीन केलिए एक अलग राज्य की स्थापना के लिए तैयार हो सके।

Obama प्रशासन ने लैटिन अमेरिका के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत दिया है। Cuba (क्यूबा) के साथ संबंधों के सामान्यीकरण की दिशा में पहल है। Barack Obama तथा Cuba के राष्ट्रपति Raul Castro के बीच मुलाकात तथा दोनों के संयुक्त बयानों से भी इस बात का संकेत मिलता है।x परन्तु Venezuela तथा Brazil सहित कई अन्य देशों में वामपंथी विचारधारा से प्रभावित सरकारों के प्रति अमेरिकी दृष्टिकोण के चलते सामान्यीकरण की प्रक्रिया के बहुत आगे बढ़ने की ~~संभावना~~ संभावना नहीं है। वामपंथी विचारधारा के बढ़ते प्रभाव को Pink tide का नाम दिया जाता है। अमेरिका Pink tide

x. अमेरिका तथा Cuba के बीच कूटनीतिक सम्बन्धों की स्थापना के सम्बन्ध में 2015 में हुई घोषणा इस दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

Scanned with CamScanner

U.S Foreign Policy after the cold war

जॉर्ज बुश के प्रशासन काल में अमेरिकी विदेश-नीति

(U.S Foreign Policy under the George W. Bush Administration)

2001 में George W. Bush के ~~अमेरिका के~~ अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर आने के समय से लेकर अबतक वहाँ की विदेशनीति की प्राथमिकताएं एवं दिशाएं अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के विद्वानों एवं पर्यवेक्षकों के लिए सामान्य रूप से तथा अमेरिकी विदेशनीति के विद्वानों एवं पर्यवेक्षकों के लिए विशेष रूप से अभिरुचि के विषय रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि Cold War की समाप्ति के बाद अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का जो स्वरूप उभर कर सामने आया उसमें अमेरिका एकमात्र Superpower (महाशक्ति) रह गया है और वह अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में पहले से अधिक सक्रिय एवं प्रभावशाली भूमिका निभाने ~~की~~ के लिए उत्सुक रहा है। स्वाभाविक रूप से नवीन परिस्थितियों में अपनी वैदेशिक नीति की प्राथमिकताओं एवं दिशाओं को ~~पुनः~~ पुनःपरिभाषित करने एवं निर्धारित करने का प्रयास करता रहा है। परिणामस्वरूप उसकी वैदेशिक नीति में Shifts and readjustments भी ~~आते~~ होते रहे हैं।

George W. Bush तथा उनके प्रशासन में कार्यरत पूर्व विदेशमंत्री Colin Powell, रक्षामंत्री Donald Rumsfeld तथा पूर्व ~~विदे~~ उपविदेशमंत्री ~~Condoleezza Rice~~ न एवं मौजूदा विदेश~~नीति~~मंत्री Condoleezza Rice के समक्ष उपस्थित परिस्थितियों, सन् 2001 में New York तथा Washington पर आतंकवादी हमले के चलते विदेशनीति के समायोजन की जो चुनौती (Challenge of adaptation) उपस्थित हुई वह Bush Sr तथा Bill Clinton के प्रशासनकाल में उपस्थित समायोजन की चुनौती से अधिक गंभीर एवं पेचीदा रही है। परंतु जहाँ तक George W. Bush के काल में अमेरिकी वैदेशिक नीति के लक्ष्य का प्रश्न है, वह बुनियादी रूप से शीत युद्ध के बाद के काल में अमेरिकी विदेशनीति का लक्ष्य रहा है। एकमात्र Superpower (महाशक्ति) को ~~अमेरिका~~ के रूप में USA की स्थिति को बनाए रखना और ~~अपनी स्थिति के~~ अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में ~~अपने~~ वर्चस्व की स्थिति को [illegible]ना वर्तमान बुश प्रशासन की विदेशनीति का

SHOT ON REDMI 7
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

इसी तरह से अघोषित परंतु सर्वाधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा है जो Bush Sr. तथा Clinton के काल में था। परंतु उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वर्तमान बुश प्रशासन के दृष्टिकोण में कठोरता एवं आक्रामकता (Rigidity and aggressiveness) निश्चित रूप से पहले से काफी अधिक पाई जाती है।

~~उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए 2001 से लेकर बुश के अब तक बुश प्रशासन काल में USA की विदेश नीति के प्रमुख तत्वों (प्रवृत्तियों) को रेखांकित किया जा सकता है जो मोटे तौर पर ये प्रवृत्तियाँ हैं तत्व हैं:~~

2001 के प्रारंभ से अब तक George W. Bush, Colin Powell, Rumsfeld तथा Condoleezza Rice जैसे नेताओं के वक्तव्यों तथा विदेशनीति के क्षेत्र में बुश प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों को देखते हुए विदेशनीति के निम्न तत्वों को रेखांकित किया जा सकता है :-

1. आणविक हथियारों के प्रसार पर अंकुश :- ~~शीत मैत्री~~ राष्ट्रपति बुश के सत्ता संभालने के बाद National Missile Defence System (राष्ट्रीय मिसाइल प्रतिरक्षा व्यवस्था) के कार्यक्रम पर बल देने से शुरू में इस बात का आभास मिला कि शायद बुश प्रशासन परमाणु अप्रसार के ~~मुद्दे उतना~~ के मुद्दे को उतना महत्व नहीं दे जितना Bill Clinton के प्रशासन काल में दिया गया था। परंतु 2001 के आतंकवादी हमले के बाद ~~संदर्भ में बुश प्रशासन के दृष्टिकोण में कठोरता विदेशनीति के में विदेशनीति के क्षेत्र में कुछ मुद्दों के प्रति जो कठोरता एवं आक्रामकता आई, उसी के साथ~~ परमाणु अप्रसार के मुद्दे ने भी ~~अमेरिकी विदेशनीति का~~ बुश प्रशासन की एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता का रूप धारण कर लिया। इराक पर आणविक कार्यक्रम के परित्याग के लिए व्यापक दबाव और अन्ततोगत्वा इसी कारण उस पर आक्रमण, उत्तरी कोरिया तथा ईरान पर अपने-अपने आणविक कार्यक्रम के परित्याग के लिए राजनयिक दबाव तथा कार्यवाई की धमकी तथा अल-कायदा जैसे आतंकवादी संगठनों के हाथ में परमाणु अस्त्रों के पड़ने की सारी संभावनाओं को खत्म करना, और

SHOT ON REDMI 7
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

(3)

(७४)

और परमाणु प्रसार के लिए आतंकवाद, निरोध और परमाणु अप्रसार के लिए अन्तर्राष्ट्रीय, निरोध पश्चिमी यूरोपीय, रूस समर्थन की प्राप्ति आदि परमाणु अप्रसार की नीति के अंग रहे हैं। आपने 2005 के नवीनतम State of the Union Speech में ईरान के प्रति के आणविक कार्यक्रम के प्रति अपने कड़े रुख को उजागर किया है।

2. उदारवादी जनतंत्र को बढ़ावा तथा मानवीय अधिकारों की रक्षा:

उदारवादी जनतंत्र का प्रसार तथा मानवीय अधिकारों की रक्षा एक लंबी अवधि से अमेरिकी वैदेशिक नीति का एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है, परंतु शीत युद्ध के बाद के काल में, जैसा कि Blanton (1998:241) ने कहा है, ~~और विशेष रूप से Clinton के प्रशासन में~~ "The United States has endorsed the promotion of liberal democracy as a cornerstone of its foreign policy." वर्तमान बुश प्रशासन ने न केवल वैदेशिक नीति के एक तत्व के रूप में स्वीकार किया है, वरन ~~इसको कार्यरूप देने के लिए अपनी~~ इसको कार्यरूप देने में अधिक सक्रियता का परिचय दिया है। उदारवादी जनतंत्र के प्रसार को अमेरिकी विदेशनीति के तत्व ~~में स्वीकार~~ के रूप में स्वीकार किए जाने के पीछे Immanuel Kant द्वारा व्यक्त यह विचार काम कर रहा है कि "Democracies are by nature peace-loving, whereas autocracies and dictatorships are notoriously prone to wars." (स्वभावतः जनतांत्रिक व्यवस्थाएं शांतिप्रिय होती हैं, जबकि तानाशाही एवं सर्वाधिकारवादी व्यवस्थाएं युद्ध की मनोवृत्ति से ग्रसित होती हैं।) इस जनतंत्र के समर्थन के पीछे बुश प्रशासन द्वारा इस सामान्य तर्क को स्वीकार करने के साथ-साथ यह तर्क भी दिया जाने लगा है कि ~~को~~ आतंकवाद के दुनिया से अंत के लिए जनतंत्र एवं स्वतंत्रता का प्रसार आवश्यक है। इसी तर्क के आधार पर ~~2001 के आतंकवादी से लेकर अब तक Bush प्रशासन के नीति निर्माताओं~~ ने पश्चिमी एशिया के इस्लामी राज्यों के ~~में~~ जनतंत्र ~~को~~ स्वीकारने ...

2001 के आतंकवादी हमले के बाद Bush तथा अन्य प्रमुख नीति निर्माताओं ने नागरिक स्वतंत्रता, जनतंत्र एवं स्वतंत्रता पर अत्यधिक बल दिया है।

2 जो [illegible] युद्ध शुरू किया है, 2003 में ईराक पर आक्रमण तथा अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में अपना ... करके पश्चिमी एशिया में जनतंत्र एवं स्वतंत्रता ... जनतंत्र पर प्रशासन ... के नाम पर ... [illegible]

SHOT ON REDMI 7
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

3 – आतंकवाद का विरोध :- शीत युद्ध के बाद के काल में और विशेष रूप से 2001 में New York एवं Washington पर आतंकवादी हमले के बाद अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद का विरोध USA की वैदेशिक नीति का अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व बन गया है। बुश प्रशासन ~~के काल~~ में ने ~~अपनी वैदेशिक नीति~~ में जिस तरह आतंकवाद के अंत पर जोर दिया है उससे इस बात का संकेत मिलता है कि यह वर्तमान समय में अमेरिकी वैदेशिक नीति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व बन गया है। ~~बुश~~ उसने आतंकवाद के अर्थ को व्यापक बनाया है और किसी भी उद्देश्य के लिए ~~आतंकवाद~~ विध्वंसकारी गतिविधियों की भर्त्सना की है। ~~उन्होंने बुश ने न केवल आतंकवादी संगठनों एवं ठिकानों के विरुद्ध कार्यवाई की नीति अपनाई है बल्कि~~ बुश की यह उक्ति कि आतंकवादी आतंकवादी हैं और उनमें अच्छे आतंकवादी एवं बुरे आतंकवादी का अंतर नहीं किया जा सकता। (There can be no good terrorists and bad terrorists.) बुश ने न केवल आतंकवादी संगठनों एवं ठिकानों के विरुद्ध कार्यवाई की नीति अपनाई है, वरन् यह स्पष्ट कर दिया है कि वह USA आतंकवादियों तथा आतंकवादियों को शरण एवं सहायता देने वाले राज्यों के बीच कोई कार्यवाई करते समय कोई अंतर नहीं करेगा। अपनी इस नीति को अमली रूप देते हुए Al Queda तथा अलकायदा को शरण देने वाली अफगानिस्तान की तालिबान सरकार (Taliban Government) के विरुद्ध बुश सरकार ने कार्यवाई की। आतंकवाद के विरुद्ध एक व्यापक अन्तर्राष्ट्रीय मोर्चा का निर्माण आज की अमेरिकी विदेशनीति की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है।

SHOT ON REDMI 7
AI DUAL CAMERA
Scanned with CamScanner

4. NATO की एकता एवं विस्तार — Cold War की समाप्ति के बाद NATO की निरंतर प्रासंगिकता को साबित करते हुए ~~इस~~ इसके अस्तित्व एवं एकता को बनाए अमेरिकी नीति-निर्माताओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य रहा है। ~~बुश प्रशासन~~ वर्तमान की विदेश नीति इसका अपवाद नहीं है। वह शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उसके अप्रासंगिक ~~मानने के~~ होने की बात को नकारते हुए बुश प्रशासन ने अन्तर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बनाए रखने के लिए उसे एक महत्वपूर्ण साधन घोषित किया है। Iraq में पर USA के आक्रमण के संदर्भ में France तथा Germany के साथ गहरे मतभेद को दूर ~~करने की चिंता अमेरिकी नीतिनिर्माताओं ने प्रदर्शित की है विदेशनीति का पहला संभालने के बाद ने NATO की एकता के विस्तार करने~~ करने की अमेरिकी नीतिनिर्माताओं की चिंता NATO में की एकता ~~को बनाए रखने~~ उद्देश्य से ही प्रेरित थी है। NATO में ~~पूर्वी यूरोपीय देशों~~ पूर्वी यूरोप के कुछ पूर्ववर्ती साम्यवादी देशों को 2004 में प्रवेश संगठन की व्यापक स्वीकार्यता की अमेरिकी नीति का ही प्रतिफल है।

~~अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं UNO की दुहाई~~ —

5. आर्थिक हितों के प्रति सजगता — ~~बुश प्रशासन~~ अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद एवं परमाणु अप्रसार ~~जैसे मुद्दे से~~ जैसी चुनौतियों ~~का सामना~~ से जूझने के बावजूद ~~अमेरिका के~~ वर्तमान बुश प्रशासन अमेरिका के आर्थिक एवं व्यापार हितों को वैदेशिक नीति का महत्वपूर्ण तत्व मानता है। यह उल्लेखनीय है कि उदारवादी लोकतंत्र ~~का प्रसार~~ के प्रसार की चिंता भी अन्य बातों के ~~अतिरिक्त~~ अतिरिक्त उसके आर्थिक हितों के ~~अनुकूल~~ अनुकूल

ON REDMI 7
AL CAMERA

Scanned with CamScanner

है। वास्तव में उदारवादी अनन्त मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था (Free market economy) में विश्वास करता है। ~~जैसी~~ अमेरिका वैसी अर्थव्यवस्था को अपने आर्थिक ~~हितों~~ एवं व्यापार हितों के अनुकूल मानता है। स्वाभाविक रूप से वह वर्तमान समय में जापान, चीन तथा यूरोपीय संघ में आर्थिक राष्ट्रवाद की प्रवृत्ति से चिंतित है। इराक पर आक्रमण के लिए अमेरिका जो भी तर्क दे, ~~अमेरिका~~ पश्चिमी एशिया में ~~अमेरिका~~ के प्रति अमेरिकी दृष्टिकोण का गहन पर्यवेक्षकों के अनुसार वह आक्रमण ~~इराक~~ तेल के बड़े भण्डार पर नियंत्रण की इच्छा ~~एवं अन्य~~ से भी गहरे रूप से प्रेरित रहा है।

6. ~~प्रभावशीलता~~ धृष्टता एवं आक्रमकता का समावेश :— शीतयुद्ध के बाद के काल में अमेरिकी वैदेशिक नीति में सामान्य रूप से धृष्टता एवं आक्रमकता का समावेश हुआ है, परंतु यह सब से ज्यादा मुखर रूप में बुश प्रशासन की विदेश नीति में सामने आई है। ~~2001 से लेकर अब~~ 2001 के आतंकवादी हमले के समय से लेकर अबतक यदि ~~केवल~~ राष्ट्रपति बुश के वक्तव्यों तथा बुश प्रशासन द्वारा वैदेशिक मामलों में उठाए गए कदमों पर ध्यान दें तो अमेरिकी धृष्टता एवं आक्रमकता स्पष्ट होकर सामने आएगी। वास्तव में, अमेरिका का अत्यधिक शक्तिशाली होना तथा शीत युद्ध के काल में Soviet Union जैसी संतुलनकारी शक्ति (देश) का ~~न होना~~ वर्तमान समय में न होना ऐसी धृष्टता एवं आक्रमकता का प्रमुख कारण है। ~~इराक~~ Iraq के प्रति अमेरिकी आक्रमकता की व्याख्या के समय इस ~~बात को~~ तथ्य (बात) को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

SHOT ON REDMI 7
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

George W. Bush के प्रशासन काल में

विदेश नीति की चर्चा करें के संदर्भ में ~~समग्र~~ अन्त तक इस बात का उल्लेख वांछनीय होगा कि ~~अन्य आज~~ देश अपनी दृढ़ता एवं आक्रामकता के बावजूद अमेरिका अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में नैतिकता, अन्तर्राष्ट्रीय कानून एवं UNO के Charter के पालन की दुहाई भी देता रहता है। ~~निःसंदेह जब परन्तु Iraq पर आक्रमण में NO Fly पर आक्रमण परन्तु इराक परन्तु इराक पर UNO~~ परन्तु इराक पर आक्रमण के मामले में ~~अ~~ अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं UNO की अवहेलना ने ~~अन्य~~ तथा पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दे पर विश्वजनमत की अवहेलना ने अमेरिका के दावे के खोखलेपन को उजागर किया है। ~~अन्य प्रशासनों की भाँति वर्तमान बुश प्रशासन ने भी~~ UNO के महासचिव ~~कोफी अन्नान~~ Kofi Annan ने भी इराक पर अमेरिकी हमले को अन्तर्राष्ट्रीय विधि (International Law) तथा ~~UN~~ UN Charter का उल्लंघन घोषित किया है।

X [अन्य प्रशासनों की भाँति वर्तमान बुश प्रशासन ने भी] USA ने उसी हद तक UN Charter तथा अन्तर्राष्ट्रीय विधि का पालन किया है जिस हद तक वैसा करने से अमेरिका के हितों की पूर्ति हुई है। आतंकवाद का विरोध, परमाणु अप्रसार तथा जनतंत्र के प्रसार आदि के नाम पर ~~निश्चित रूप से USA ने अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में अपनी वर्चस्व~~ [जैसे मुद्दे नैतिक सिद्धांत से कम और] अमेरिका के ~~हितवर्द्धन के साधन अधिक प्रतीत होते हैं।~~ के हितवर्द्धन एवं वर्चस्व की स्थापना के साधन अधिक प्रतीत होते हैं। [बुश प्रशासन ने ~~अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में जो भूमिका~~ ने ~~वैदेशिक नीति के क्षेत्र में अपना~~ अपनी वैदेशिक नीति का जिस प्रकार संचालन किया है उससे अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में USA की प्रतिष्ठा में ह्रास हुआ है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति Carter ने ~~महत्वपूर्ण~~

SHOT ON REDMI 7
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner